


22/4/24

आज यह पत्रापूर्ति वाली केसार्थना  
पत्र पर कार्यालय से लावब की गई  
वाली मथ वकील उपा. प्रावेना पत्र  
पेश कर निवेदन किया कि हमारा  
सापत्नीनामा ही गया है। इसलिये  
उक्त वाद को विद्वे समाया जावे।  
प्राप्त सा. पत्र पर वाली स्थ  
वकील वाली को सुना गया। सा. पत्र  
वादि स्वीकार किया जाता है। बादा  
वादी कमी स्वरु पर विद्वे किया जाता  
है। पत्रा. वापस दफ्तार ही।

  
सुखण्ड अधिकारी  
पहाड़ी (डीग)